आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
रविवार 02.02.2025
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- प्रदेश सरकार ने 38वें राष्ट्रीय खेलों को और भी अधिक पर्यावरण–अनुकूल और स्वास्थ्यप्रद बनाने के लिए महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, देहरादून में साइकिल सुविधा शुरू की।
- बदरीनाथ धाम के कपाट आगामी चार मई को सुबह छह बजे श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे।
- जीएसटी राजस्व संग्रह जनवरी में एक लाख 95 हजार करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 12 दशमलव तीन प्रतिशत अधिक है।
- प्रदेश में वसंत पंचमी का पर्व परम्परागत ढंग से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

साइकिल सुविधा

प्रदेश सरकार ने 38वें राष्ट्रीय खेलों को और भी अधिक पर्यावरण–अनुकूल और स्वास्थ्यप्रद बनाने के लिए महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, देहरादून में साइकिल सुविधा शुरू की है। इस पहल से कोर टीम, वॉलंटियर और सभी दर्शकों को खेल परिसर में आसानी से आवाजाही करने का मौका मिलेगा। इसका उद्देश्य केवल प्रदूषण को कम करना ही नहीं, बल्कि लोगों को फिट और सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना भी है। अब दर्शक और वॉलंटियर खेल परिसर के विभिन्न स्थलों तक साइकिल से आसानी से पहुंच सकेंगे, जिससे ट्रैफिक और कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी। इस पहल से न केवल राष्ट्रीय खेल को एक नया रूप मिलेगा, बल्कि उत्तराखंड को पर्यावरण–अनुकूल और स्वास्थ्यप्रद खेल आयोजनों के लिए एक आदर्श राज्य के रूप में स्थापित करने में भी सहायता मिलेगी। सरकार का यह अभिनव प्रयास खेलों के प्रति जनमानस में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाने की प्रेरणा देगा।

बदरीनाथ कपाट

बदरीनाथ धाम के कपाट आगामी चार मई को सुबह छह बजे श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। आज वसंत पंचमी के अवसर पर टिहरी जिले के नरेंद्रनगर स्थित राजदरबार में राजपुरोहित आचार्य कृष्ण प्रसाद उनियाल ने पंचांग की गणना करने के बाद बदरीनाथ धाम के कपाट खोलने की तिथि की घोषणा की। उन्होंने बताया कि भगवान बदरी विशाल के महाभिषेक के लिए तिलों का तेल 22 अप्रैल को पिरोया जाएगा। उसी दिन राज दरबार से गाडू घड़ा तेल– कलश यात्रा शुरु होगी।

रुद्रनाथ कपाट

पंच केदारों में से चतुर्थ केदार रुद्रनाथ मंदिर के कपाट इस वर्ष 18 मई को ग्रीष्मकाल के लिए खोले जाएंगे। वसंत पंचमी के पावन पर्व पर आज चमोली जिले के गोपीनाथ मंदिर में पूजा–अर्चना के बाद रुद्रनाथ मंदिर के कपाट खुलने की तिथि तय की गई। कपाट खुलने की प्रक्रियाओं के तहत भगवान रुद्रनाथ की चल विग्रह को 14 मई को गर्भगृह से मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ विराजमान होगी। 16 मई को भगवान रुद्रनाथ की डोली, रुद्रनाथ मन्दिर के लिए प्रस्थान करेगी और 18 मई को प्रातः चार बजे ब्रह्म मुहूर्त में मंदिर के कपाट खोल दिए जाएंगे।

राश्ट्रीय खेल

38वें राष्टीय खेलों में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। आज दो नए नेशनल रिकॉर्ड दर्ज किए गए हैं। महाराष्ट्र के वैषव शाहाजी ठाकुर ने पुरुषों की 102 किलोग्राम भार वर्ग में स्नैच में 160 किलोग्राम उठाकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने जगदीश विश्वकर्मा के 157 किलोग्राम के पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा। वहीं, मध्य प्रदेश की आशी चौकसे ने 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन महिला वर्ग में 598 स्कोर कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किया। उन्होंने 2023 आई.एस.एस.एफ नेशनल चैंपियनशिप में सिफत कौर समरा के 594 स्कोर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। पदक तालिक में सर्विसेज चौदह स्वर्ण पदक के साथ शीर्ष स्थान पर है। कर्नाटक दूसरे और महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर है। उत्तराखंड एक स्वर्ण, सात रजत और आठ कांस्य पदक के साथ 18वें स्थान पर है।

जीएसटी

इस वर्ष जनवरी महीने में वस्तु और सेवा कर – जीएसटी के रूप में एक लाख 95 हजार करोड़ रुपये से अधिक का कुल राजस्व प्राप्त हुआ है। यह जनवरी 2024 की तुलना में 12 दशमलव तीन प्रतिशत अधिक है। इस वर्ष जनवरी में केंद्रीय वस्तु और सेवा कर संग्रह 36 हजार 77 करोड़ रुपये और राज्य वस्तु तथा सेवा कर 44 हजार 942 करोड़ रुपए है। एकीकृत वस्तु और सेवा कर संग्रह की राशि 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक और उपकर 13 हजार 412 करोड़ रुपये है।

बजट

प्रदेश के वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने केंद्रीय बजट को संतुलित और समावेशी बताया है। उन्होंने कहा कि इस बजट में सभी वर्गों का ख्याल रखा गया है, खास तौर पर मध्यम वर्ग को टैक्स में बड़ी राहत दी गई है।
वित्त मंत्री ने उत्तराखंड के बजट को लेकर कहा कि उन्होंने अलग–अलग क्षेत्रों से जुड़े लोगों के साथ संवाद किया और बजट के लिए सुझाव मांगे। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण सुझावों को भी इस बजट में शामिल किया जाएगा।

वसंत पंचमी

प्रदेश में वसंत पंचमी का पर्व परम्परागत ढंग से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर लोगों ने ज्ञान की देवी मां सरस्वती की पूजा की। राज्य के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं ने जहां पूजा–अर्चना की, वहीं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान और सरस्वती पूजन भी किया गया। चम्पावत जिले में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, सरस्वती पूजन, विद्यारंभ संस्कार और जनेऊ संस्कार आदि किए गए। उधर, चमोली जिले के ग्रामीण अंचलो में लोगों ने वसंत पंचमी पर्व को परम्परागत ढंग से मनाया। ग्रामीणों ने अपने देवी–देवताओ की पूजा के बाद सुख समृद्ध का प्रतीक– जौ की बाली को अपने घर के द्वार पर लगाया। युवतियों का कहना है कि इस त्यौहार के दिन वे अपने परम्परागत लोक गीत– झूमैला, चौफुला व चांचड़ी गाते हैं और एक–दूसरे के साथ समय बिताते हैं।
प्रदेश के विभिन्न जिलों में वसंत पंचमी पर लोगों ने विद्या, बुद्धि और कला की देवी मां सरस्वती का वंदन कर पीले वस्त्र भी धारण किए।